'सिटी वॉक' को मिला लोगों का बेहतर प्रतिसाद

भोपाल : मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा शुरू की गई 'सिटी वॉक' को प्रारंभिक रूप से लोगों का बेहतर प्रतिसाद मिला है। सिटी वॉक के प्रथम चरण में ही जिस तरह सिटी वॉक को लेकर लोगों ने अपनी रुचि-रुझान और उत्साह दिखाकर इसमें सक्रिय भागीदारी की उससे प्रदेश में की गई इस पहल को स्वीकार्यता मिली है। सिटी वॉक के आयोजन के पीछे मुख्य मकसद है कि लोगों में अपने शहर, अपनी धरोहर, अपनी विरासत, संस्कृति के प्रति न केवल और अधिक गहरा लगाव हो बल्कि आने वाले सैलानियों को भी वे उत्साह के साथ इन खासियत से अवगत करा सकें।

इसके लिए 'वॉक लीडर' के रूप में ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हे चिन्हांकित करना भी है जो इस अभियान को नियमित रूप से संचालित करने में स्वेच्छा से योगदान दे सकें। ऐसे लोगों में इच्छुक नागरिक, डॉक्टर, एडवोकेट, इंजीनियर, व्यवसायी, खिलाड़ी, प्रशासनिक अधिकारी या सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी भी हो सकते हैं। दरअसल 'सिटी वॉक' के जरिये इस पहल को एक उपयुक्ति प्लेटफॉर्म या मंच उपलब्ध करवाया जाना है।

'सिटी वॉक' के इस अभियान को पॉपुलर बनाने के लिए संबंधित शहर के नागरिकों का भी सहयोग इसमें महत्वपूर्ण रोल अदा करेगा। मध्यप्रदेश में पहली बार शुरू की गई सिटी वॉक की अवधारणा की सफलता के लिए नागरिकों का जुड़ाव 'संवेदनशीलता', 'अतिथि देवो भव:' की हमारी संस्कृति और शहर की विरासत को देखने आने वाले सैलानियों/यात्रियों के प्रति ऐसा बर्ताव कि वो एक अच्छा अनुभव लेकर लौटें, जरूरी है। शहर के नागरिकों में यह सिविक सेंस उत्पन्न किया जाना जरूरी है जिससे उनमें अपने शहर की विशेषताओं और धरोहर-संस्कृति से आगंतुकों को अवगत कराने, उनमें रुचि और जिज्ञासा पैदा करने की ललक जगा सकें।

प्रथम चरण में पिछले सप्ताहांत में प्रदेश में 11 स्थानों पर सिटी वॉक फेस्टिवल मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की पहल पर इंडिया सिटी वॉक तथा इंडिया विथ लोकल्स संस्था के सहयोग से किया गया। भोपाल के साथ इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, चंदेरी, उज्जैन, बुरहानपुर में भी सिटी वॉक आयोजित की गई। प्रतिभागियों को भोपाल के इतिहास, समृद्ध संस्कृति, नवाबी दौर के ऐतिहासिक घटना-क्रम और शान-ओ-शौकत से झीलों और ताल-तलैयों की नगरी के राजधानी के रूप में विकास क्रम से अवगत करवाया गया। प्रदेश के अन्य शहरों में भी इसी तरह जानकारी से लोगों को अवगत कराया गया।

उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश पर्यटन द्वारा इसके पूर्व में भी भोपाल, खजुराहो, इंदौर, ग्वालियर आदि स्थानों पर हेरिटेज वॉक आयोजित की जाती रही है। पर्यटन के प्रतिष्ठित वार्षिक आयोजन 'मध्यप्रदेश टूरिज्म मार्ट' के मौके पर भी हेरिटेज वॉक आयोजित की जाती है। इसी पहल को आगे बढ़ाते हुए इस अवधारणा को एक संस्थागत स्वरूप देकर नियमित रूप से इसके सुव्यवस्थित आयोजन की योजना पर काम किया जा रहा है।

सिटी वॉक के साथ भोपाल की खूबसूरती को भी निहारा

भोपाल : प्रदेश में पहली बार आयोजित सिटी वॉक फेस्टिवल का शुभारंभ भोपाल की खास पहचान बड़ी झील के नजदीक कमला पार्क से हुआ। पर्यटन पर्व के दौरान भोपाल सिटी वॉक फेस्टिवल का शुभारंभ झंडी दिखाकर मुख्य सचिव श्री बी.पी. सिंह और प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं पर्यटन बोर्ड के एम.डी. श्री हरि रंजन राव ने किया। भादौ माह में सावन सरीखी रिमझिम बारिश की झड़ी के बीच सिटी वॉक शुरू हुई।

सिटी वॉक में भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने भोपाल के ऐतिहासिक महत्व के स्थलों का भ्रमण कर बड़ी झील, राजा भोज सेतु सहित अन्य जगहों की खूबसूरती का अवलोकन कर अपने कैमरे में कैद किया। अल-सुबह बेहद खुशनुमा मौसम में बड़ी झील और ऐतिहासिक कमलापति महल पहुँचकर प्रतिभागियों ने भोपाल की सुहानी सुबह का नजारा देखा और सिटी वॉक का आनंद भी उठाया।

प्रदेश में 11 स्थानों पर सिटी वॉक फेस्टिवल मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की पहल पर इंडिया सिटी वॉक तथा इंडिया विथ लोकल्स संस्था के सहयोग से किया जा रहा है। इसकी पहली कड़ी में भोपाल के साथ इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और चंदेरी में भी सिटी वॉक आयोजित की गई। भोपाल मे सिटी वॉक के मौके पर पुलिस महानिरीक्षक श्री जयदीप प्रसाद, कलेक्टर श्री सुदाम पी. खाड़े, नगर निगम आयुक्त श्री अविनाश लवानिया, पर्यटन बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक श्रीमती भावना वालिम्बे सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

सिटी वॉक की वॉक लीडर सुश्री पूजा सक्सेना तथा सुश्री दृष्टि सक्सेना की अगुआई में कमला पार्क से प्रारंभ होकर गौहर महल, खिरनी वाला मैदान, सदर मंजिल, मोती मस्जिद आदि से होकर इकबाल मैदान पहुँची। सिटी वॉक में नागरिक, खिलाड़ी, अधिकारी, पुलिसकर्मी और टूरिज्म बोर्ड के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल थे। सिटी वॉक लीडर को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। टूरिज्म बोर्ड की ओर से सभी प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया गया।

इसी क्रम में खजुराहो, उज्जैन, बुरहानपुर, जबलपुर, पन्ना, ओरछा में सिटी वॉक आयोजित की गई। उल्लेखनीय है कि आम लोगों में अपने शहर के प्रति जागरूकता, लगाव और गौरव की भावना उत्पन्न करने के मकसद से टूरिज्म बोर्ड द्वारा सिटी वॉक फेस्टिवल के आयोजन की पहल की गई।

The heart of Incredible India

मध्यप्रदेश टूरिज़्म बोर्ड
www.mptourism.com
info@mptourism.com

टूरिस्ट हेल्पलाइन नंबर
1800 233 7777

YouTube

मध्यप्रदेश टूरिज़्म बोर्ड का प्रकाशन

मध्यप्रदेश पर्यटन न्यूज़ लेटर

मध्यप्रदेश टूरिज़्म बोर्ड का प्रकाशन

◄◄◄ सितम्बर 2018

भोपाल में एडवेंचर नेक्स्ट 3 से 5 दिसम्बर तक

अंतर्राष्ट्रीय स्तर का आयोजन मिंटो हॉल में होगा

भोपाल : एडवेंचर नेक्स्ट का प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय आयोजन भोपाल में आगामी 3 से 5 दिसम्बर तक होगा। इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन के लिए एशिया में मध्यप्रदेश के भोपाल का चयन किया गया है। यह जानकारी एडवेंचर नेक्स्ट के Curtain Raiser कार्यक्रम के मौके पर दी गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पर्यटन एवं संस्कृति राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री सुरेन्द्र पटवा ने अंतर्राष्ट्रीय महत्व के इस आयोजन के लिए भोपाल के चयन को मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय बताया। श्री पटवा ने कहा कि प्रदेश में पर्यटन ने नई ऊँचाईयों को छुआ है। प्रदेश को फिल्म डेस्टिनेशन का नेशनल अवॉर्ड भी प्राप्त हुआ है। श्री पटवा ने बताया कि गाँधी सागर में विकसित रिसॉर्ट और वॉटर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का शुभारंभ मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किया जाएगा। उन्होंने हनुवंतिया में अधिक से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करने की आवश्यकता बताई। राज्य पर्यटन निगम के अध्यक्ष श्री तपन भौमिक ने इस आयोजन के लिए प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे सफल बनाने के लिए सभी के सहयोग का आव्हान किया।

प्रारंभ में प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं पर्यटन तथा पर्यटन बोर्ड के एम.डी.

श्री हरि रंजन राव ने अपने प्रेजेंटेशन में एडवेंचर नेक्स्ट इंडिया के आयोजन के महत्व और गतिविधियों से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि इस महत्वपूर्ण आयोजन में देश–विदेश से लगभग 350 प्रतिनिधियों के भाग लेने की संभावना है। ये प्रतिनिधि मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न पर्यटन स्थलों का भ्रमण भी करेंगे। श्री राव ने कहा कि पर्यटन की दृष्टि से मध्यप्रदेश के लिए यह संभावनाओं वाला और अनूठा अवसर होगा। श्री राव ने बताया कि मध्यप्रदेश पर्यटन के नये टीवीसी की लाँचिंग हो गई है। इस मौके पर टीवीसी का प्रदर्शन भी किया गया। श्री राव ने अपने प्रेजेंटेशन में बताया कि एडवेंचर टूरिज्म में पिछले 8 वर्षों के दौरान 46 फीसदी की वृद्धि हुई है। इस दृष्टि से प्रदेश में एडवेंचर टूरिज्म को बढ़ावा देना आज की जरूरत है। कार्यक्रम में अटोई के अध्यक्ष श्री अक्षय कुमार ने भी जरूरी जानकारी से अवगत करवाया। प्रारंभ में अतिथियों ने दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर भोपाल कलेक्टर श्री सुदाम खाड़े, पर्यटन निगम के एम.डी. श्री टी. इलैया राजा एवं नगर निगम कमिश्नर अविनाश लवानिया सहित पर्यटन और टूर एण्ड ट्रेवल्स से जुड़े प्रतिनिधि मौजूद थे। पर्यटन बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक श्रीमती भावना वालिम्बे ने आभार माना।

अपनी बात...

न्यूज लेटर का यह अंक एक अंतराल के बाद प्रकाशित हो रहा है। इस बीच हुए महत्वपूर्ण आयोजन, ईवेंट्स और उपयोगी जानकारी का भी इसमें समावेश करने की कोशिश की है। आने वाले समय में भी जल–महोत्सव हनुवंतिया का चौथे वर्ष का और एक अन्य महत्वपूर्ण एडवेंचर नेक्स्ट का भोपाल में आयोजन होने जा रहा है। यह आयोजन नये रूप में रिनोवेट और सुसज्जित सर्वसुविधायुक्त मिन्टो हॉल में होगा। इसी के साथ राजधानी भोपाल में एक अच्छे और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कन्वेंशन सेंटर की कमी भी पूरी हो जायेगी। एडवेंचर नेक्स्ट की मेजबानी के लिए मध्यप्रदेश पर्यटन पूरी तरह तैयार है। भोपाल में इस आयोजन से प्रदेश में टूरिज्म के क्षेत्र को और भी व्यापक स्वरूप मिलेगा यह उम्मीद की जा सकती है।

भारत सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण मंत्रालय की पहल पर मैंने हाल ही में यू.एस. की शिकागो यूनिवर्सिटी एवं स्कूल ऑफ बिजनेस शिकागो में आयोजित सात दिवसीय "Financial Analysis for Non-Financial Managers" प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। मेरे लिये यह एक बहुत अच्छा अवसर था। इसे पूरी गंभीरता से लेकर एक्स्ट्रा क्लासेस भी अटेंड की।

मध्यप्रदेश में पर्यटन क्षेत्र को और अधिक प्रोत्साहन तथा बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य शासन द्वारा निरंतर नवाचार किये जा रहे हैं। प्रदेश में वॉटर टूरिज्म की संभावनाओं को दृष्टिगत रखकर इस क्षेत्र में अभिनव पहल की गई है। इसके अच्छे नतीजे भी सामने आए हैं।

जल–पर्यटन के क्षेत्र में राज्य शासन द्वारा हनुवंतिया की तर्ज पर ओंकारेश्वर के नजदीक सेलानी टापू एवं गाँधी सागर बाँध पर वॉटर टूरिज्म पर्यटन केन्द्र विकसित किया गया है। वॉटर टूरिज्म को बढ़ावा देने के मकसद से 18 वॉटर बॉडीज अधिसूचित की गई हैं।

'पर्यटन से रोजगार सृजन' राज्य शासन की प्राथमिकता में शामिल है। भोपाल, जबलपुर, रीवा, ग्वालियर एवं इन्दौर में बेरोजगार युवाओं के लिए विभिन्न श्रेणियों में रोजगार उपलब्ध करवाने के लिए इस वर्ष एक नई पहल के रूप में टूरिज्म जॉब–फेयर का आयोजन किया गया। इसके माध्यम से प्रदेश के 15 हजार से अधिक युवाओं को सत्कार क्षेत्र की कंपनियों में लेटर ऑफ इंटेट (LOI) प्रदान किया गया है।

पर्यटन क्षेत्र में रोजगार के ज्यादा से ज्यादा अवसर उपलब्ध कराने की दृष्टि से एक सुनियोजित रणनीति पर काम किया जा रहा है। निश्चित ही आने वाले समय में इसके और भी अच्छे परिणाम सामने आएंगे।

प्रदेश में होटल, टूरिज्म और हॉस्पिटेलिटी में बी.बी.ए. स्नातक कोर्स प्रारंभ किया गया है। प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में यह एक महती उपलब्धि है। अगले वर्ष से होटल मैनेजमेंट और बी.बी.ए. टूरिज्म के कोर्स प्रारंभ किये जायेंगे।

शुभकामनाएँ।

(हरि रंजन राव)
प्रबंध संचालक

'सर्वाधिक फिल्म अनुकूल राज्य' के लिये राष्ट्रीय फिल्म अवॉर्ड

भोपाल : मध्यप्रदेश को सर्वाधिक फिल्म अनुकूल राज्य के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों के कार्यक्रम में केन्द्रीय कपड़ा मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी ने मध्यप्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति राज्यमंत्री श्री सुरेन्द्र पटवा को प्रदान किया। पुरस्कार के रूप में ट्रॉफी और प्रशस्ति-पत्र दिया गया। इस मौके पर केन्द्रीय सूचना प्रसारण राज्यमंत्री श्री राजवर्धन सिंह राठौर और प्रमुख सचिव पर्यटन श्री हरि रंजन राव भी मौजूद थे।

पुरस्कार का चयन रमेश सिप्पी की अध्यक्षता में गठित ज्यूरी ने किया था। ज्यूरी में प्रख्यात फिल्म निर्माता श्री नागार्जुन मंजुले, श्री राजाकृष्ण मेनन, श्री विवेक अग्निहोत्री और मोशन पिक्चर डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन के प्रबंध निदेशक श्री उदय सिंह शामिल थे।

ज्यूरी द्वारा मध्यप्रदेश को फिल्मांकन में सहूलियतें सुनिश्चित करने के प्रयासों को देखते हुए 'सर्वाधिक फिल्म अनुकूल राज्य' पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया गया। मध्यप्रदेश में सुव्यवस्थित वेबसाइट बनाने और फिल्म अनुकूल बुनियादी ढांचा स्थापित करने के साथ विभिन्न तरह की सहूलियतें दी गई हैं।

प्रदेश में संबंधित डाटाबेस का बढ़िया ढंग से रख-रखाव, विपणन और संवर्द्धन संबंधी पहल भी की जा रही है। ज्यूरी ने 16 राज्यों में से सर्व-सम्मति से मध्यप्रदेश का चयन किया।

मध्यप्रदेश को उन जाने-माने फिल्म निर्माताओं की ओर से भी सकारात्मक प्रतिक्रिया के साथ अनुकूल फीडबैक मिला है, जो यहाँ पहले फिल्मांकन कर चुके हैं। मध्यप्रदेश में उत्कृष्ट बुनियादी सहायता एवं फिल्मांकन संबंधी बुनियादी ढांचा मुहैया करवाने के साथ फिल्म बनाने के लिए एक सूचनाप्रद वेबसाइट भी बनायी गयी है। साथ ही अनेक प्रोत्साहन की भी पेशकश की गई है।

पर्यटन क्विज : मध्यप्रदेश बना पहला राज्य
राज्य स्तरीय क्विज में दमोह विजेता और मुरैना उप-विजेता

भोपाल : मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय पर्यटन क्विज में उत्कृष्ट विद्यालय दमोह के छात्रों की टीम विजेता और मुरैना जिले के छात्रों की टीम उप-विजेता रही। विजेता, उप-विजेता और अन्य प्रतिभागियों को पर्यटन एवं संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री सुरेन्द्र पटवा ने रनिंग शील्ड और प्रमाण-पत्र वितरित किये।

श्री पटवा ने कहा कि इस तरह की पर्यटन क्विज आयोजित करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है। आने वाले वर्षों में पर्यटन क्विज में प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर, परंपरा, रीति-रिवाज़ को भी शामिल किया जाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करें लेकिन केवल अंकों के पीछे न भागें।

प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री एवं पर्यटन श्री हरि रंजन राव ने कहा कि 3 साल से आयोजित की जा रही पर्यटन क्विज को और विस्तार देकर इसकी गुणवत्ता को भी बढ़ाया जाएगा। प्रदेश की संगीत परंपरा और कलात्मक वस्तुओं, हस्तशिल्प आदि को भी इसमें शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि क्विज के जरिये पर्यटन के प्रति जागरूकता लाना और लोगों को इससे जोड़ना हमारा प्रमुख उद्देश्य है।

प्रसिद्ध टीवी-शो 'कौन बनेगा करोड़पति' की तर्ज पर हुए मल्टीमीडिया राउण्ड में प्रदेश के पर्यटन स्थलों, संस्कृति, इतिहास और पुरातत्व महत्व की प्राचीन धरोहरों पर केन्द्रित विविध प्रश्न चित्रों के माध्यम से पूछे गए। रोचक ढंग से पर्यटन क्विज के सफल संचालन के लिए श्री रविकांत ठाकुर की प्रस्तुति को सभी ने सराहा।

पर्यटन क्विज के फाइनल राउण्ड में राज्यमंत्री श्री सुरेन्द्र पटवा ने एक प्रश्न का उत्तर स्वयं देकर प्रतियोगिता में स्वयं की भागीदारी भी सुनिश्चित की। यह प्रश्न इंदौर की प्रसिद्ध सिकंजी से संबंधित था जिसका उन्होंने सही उत्तर दिया। प्रतिभागियों ने करतल ध्वनि से उनकी इस पहल का स्वागत किया।

इसके पूर्व मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय पर्यटन क्विज की शुरुआत प्रात: दीप प्रज्ज्वलित कर की गई। पर्यटन क्विज के प्रारंभ में लिखित परीक्षा में तकरीबन 150 से अधिक विद्यार्थियों ने भागीदारी की। लिखित परीक्षा के उपरांत मल्टीमीडिया राउण्ड में लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण 6 टीमों ने भाग लिया।

क्विज आयोजन स्थल प्रशासन अकादमी के स्वर्ण जयंती सभागार और परिसर को विविध जानकारी के साथ आकर्षक ढंग से सजाया गया था। परिसर में मध्यप्रदेश पर्यटन को लेकर स्लोगन और संदेश प्रदर्शित किये गये। विशेष बात यह रही कि मतदाताओं को जागरूक बनाने की दृष्टि से 'मतदान आपका अधिकार', 'जिद करो : वोट करो' एवं 'मतदान अवश्य करें' जैसे प्रेरक स्लोगन प्रदर्शित किये गये।

अत्यंत खुशनुमा माहौल में रिमझिम बारिस के बीच सभी जिलों से आए प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह और उमंग से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। इस मौके पर पर्यटन निगम के एम.डी. श्री टी. इलैया राजा एवं टूरिज्म बोर्ड की अपर प्रबंध संचालक श्रीमती भावना वालिम्बे आदि मौजूद थे।

ऐसे जुटाई जानकारी

पर्यटन क्विज के प्रतियोगियों ने बताया कि उन्होंने प्रदेश के पर्यटन स्थलों की जानकारी वेबसाइट, पर्यटन के ब्रोशर, फोट्र्स ऑफ एम.पी. बुक और यूट्यूब वीडियो के जरिये भी जुटाई। यह बहुत अच्छी बात है कि पर्यटन संबंधी जानकारी अब जिलों की वेबसाइट पर भी उपलब्ध है। प्रतिभागियों का कहना था कि प्रदेश के पर्यटन स्थलों, सांस्कृतिक वैभव, इतिहास, पुरातत्व संरक्षित स्मारकों की जानकारी जुटाने में प्रचार साहित्य से उन्हें बड़ी मदद मिली। इससे पर्यटन क्विज अधिक रोचक जानकारीपूर्ण और ज्ञानवर्धक बन सकी।

सैलानी आखिर चाहते क्या हैं...?

• आर.बी. त्रिपाठी

जहाँ तक हमारे देश में पर्यटन क्षेत्र की बात है विदेशों में तमाम कोशिशों के बावजूद धारणा यह बनती है कि क्या भारत पर्यटन के लिए सुरक्षित स्थान है। खास तौर से महिला सैलानियों में यह भ्रम और गलत धारणा है कि भारत में पर्यटन स्थल और पर्यटक उतने महफ़ूज़ नहीं हैं। इस धारणा को सिरे से निर्मूल साबित करने के लिए सभी को मिल-जुलकर प्रयास करना जरूरी है। सैलानियों में यह विश्वास बनाये रखना आवश्यक है कि हमारा देश और यहाँ के पर्यटक स्थल न केवल सैलानियों के लिए पूरी तरह सुरक्षित हैं बल्कि हमारी 'अतिथि देवो भव:', 'अतुल्य भारत' और 'पधारो म्हारे देश' की संस्कृति हमें एक श्रेष्ठ मेजबान बनाती है।

दरअसल पर्यटन एक नितांत शांति और अमन का विषय है। जहाँ शांति होगी, अमन-सुकून होगा, सुरक्षा और बेहतर पर्यटक सुविधाएँ मौजूद होंगी, पर्यटक वहाँ खिंचे चले आएंगे। लेकिन यह भी सच है कि इसके विपरीत सैलानियों को अपनी सुरक्षा को लेकर थोड़ा भी संदेह, भ्रांति या संशय होगा तो वे ऐसे स्थानों का रुख कभी नहीं करेंगे।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में यह विचारणीय मसला है कि सैलानी आखिर किस तरह की व्यवस्था और माहौल की अपेक्षा हमसे करते हैं। निश्चित ही वे शांति और व्यवस्था बेहतर हो यह चाहेंगे। किसी प्रकार का कोई ऐसा आंदोलन जिसका असर सड़कों, रेल मार्गो पर पड़े तो ऐसी जगह भला कौन आना चाहेगा। मॉब लिंचिंग या मवेशियों के परिवहन जैसी खबरों-सूचनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जायेगा तो सैलानियों का भय समझ में आता है।

समय-समय पर आने वाली प्राकृतिक आपदाएँ भी पर्यटन को प्रभावित करती हैं। केरल, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड इसके हालिया उदाहरण हैं। केरल में हाल की अतिवृष्टि, बाढ़ और उससे उत्पन्न हादसों का असर पर्यटन पर भी होगा। जम्मू-कश्मीर के ताजा घटनाक्रम, अतिवर्षा, बाढ़, पहाड़ों पर स्खलन और आतंकी वारदातों से पर्यटन क्षेत्र भी प्रभावित हुए बगैर शायद ही रहे।

जहाँ तक मध्यप्रदेश की बात है यहाँ पिछले एक दशक और इनमें भी पिछले चार-पाँच साल में पर्यटन क्षेत्र के विस्तार तथा पर्यटकों को सहूलियतें मुहैया कराने की दिशा में कारगर और परिणामदायी काम किये गये हैं। प्रदेश में शांति और अमन का माहौल है तथा पर्यटकों के लिए सर्वथा अनुकूल स्थितियाँ हैं। हिल स्टेशन पचमढ़ी, माण्डू, महेश्वर के साथ उज्जैन और ओंकारेश्वर में पवित्र ज्योतिर्लिंग, विश्व धरोहर खजुराहो के मंदिर, भीम बैठका के शैल चित्र और साँची के स्तूप आदि अनेक पर्यटन स्थल पर्यटकों को सदैव लुभाते और आमंत्रित करते आये हैं।

इस श्रृंखला में हाल ही में प्रदेश में जल-पर्यटन और एडवेंचर टूरिज्म की दिशा में सार्थक पहल की गई है। इसी के सुफल के रूप में हनुवंतिया वॉटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स विकसित किये जाने और यहाँ हर साल जल-महोत्सव का आयोजन, ओंकारेश्वर के नजदीक सैलानी में रिसॉर्ट और वॉटर स्पोर्ट्स की सहूलियत तथा अब मंदसौर जिले के गाँधीसागर बाँध के नजदीक हिंगलॉज रिसॉर्ट और जल-पर्यटन सुविधाएँ विकसित किये जाने से पर्यटन क्षेत्र को और अधिक विस्तार मिला है। इसके साथ ही सुदूर सीधी जिले में स्थित परसिली रिसॉर्ट, तवा रिसॉर्ट और बायसन रिसॉर्ट मढ़ई भी पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

दिसम्बर के पहले सप्ताह में राजधानी भोपाल में होने जा रहे 'एडवेंचर नेक्स्ट' के आयोजन से निश्चित ही इन प्रयासों को वैश्विक स्तर पर रेखांकित करने और एडवेंचर पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रयासों को और अधिक बल मिलेगा। एशिया में पहली बार भारत और वह भी मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में होने वाले इस आयोजन में हिस्सा लेने आने वाले प्रतिनिधि प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों का भ्रमण करेंगे। इसके लिए जरूरी तैयारियाँ शुरू हो गई हैं। एडवेंचर नेक्स्ट के साथ ही भोपाल की एक खास पहचान मिंटो हॉल (पुरानी विधानसभा भवन) को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सफल आयोजन के लिए एक सर्वसुविधायुक्त, सुसज्जित कन्वेंशन सेंटर के रूप में स्थापित होने का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा।

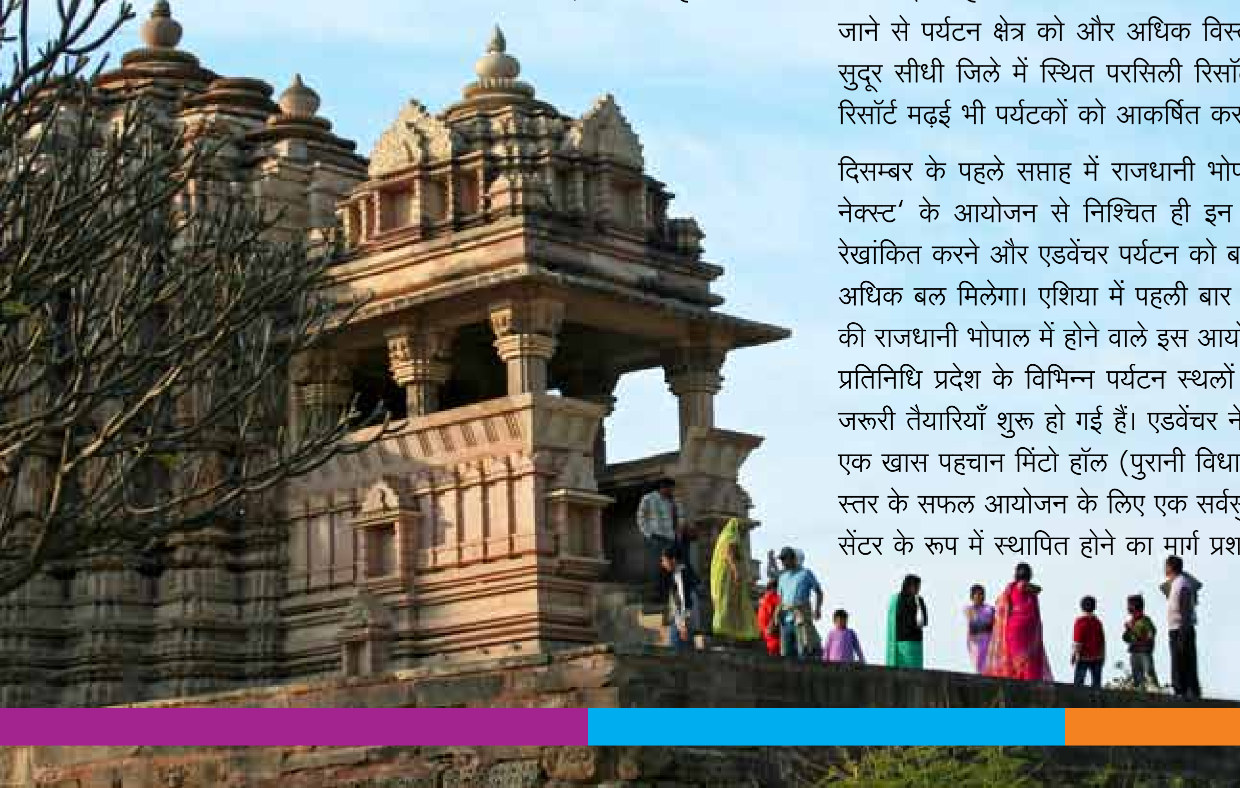

हाल ही के वर्षों में एडवेंचर टूरिज्म में 46 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। पर्यटन मंत्रालय ने साल-2018 को एडवेंचर वर्ष के रूप में घोषित किया है। इस लिहाज से एडवेंचर टूरिज्म पर ध्यान दिया जाना आज के वक्त की जरूरत है। मध्यप्रदेश में ट्रेकिंग और रॉफ्टिंग की व्यापक संभावनाएँ हैं। इस दृष्टि से मध्यप्रदेश का टूरिज्म प्रो-एक्टिव कहा जा सकता है।

यह माना जाता है कि पर्यटन, देश में सबसे अधिक रोजगार मुहैया कराने वाले क्षेत्रों में से एक है। एक आकलन के मुताबिक पर्यटन उद्योग में 10 लाख रुपये का निवेश कर लगभग 90 लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। विश्व के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में पर्यटन क्षेत्र का योगदान 10.2 फीसदी है। पर्यटन क्षेत्र से जुड़े कार्यबल और उनके कौशल को प्रशिक्षण के जरिये और बेहतर बनाने के प्रयास किये जा रहे हैं। हमारे यहाँ बड़ी संख्या में लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी हुई है। वर्ष-2016 में सकल घरेलू उत्पाद में पर्यटन का 9.6 प्रतिशत और कुल रोजगार में 9.3 प्रतिशत योगदान था। निश्चित ही पर्यटन, स्थायी रोजगार के अवसर उत्पन्न करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। जरूरत इस बात की है कि सुनियोजित रूप से इस देश में परिणाममूलक काम किये जायें।

भारत सरकार पर्यटन मंत्रालय की दो महत्वाकांक्षी योजनाएँ हैं- 'स्वदेश दर्शन' और 'प्रसाद'। इन योजनाओं के जरिये पर्यटन स्थलों और पर्यटन सर्किट के आस-पास के क्षेत्रों में आधारभूत संरचना का विकास किया जा रहा है। इस काम में समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित कर रोजगार के नये अवसर का सृजन भी किया जा रहा है। यह सुखद संयोग है कि मध्यप्रदेश में इन दोनों महत्वाकांक्षी योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। मध्यप्रदेश में वाइल्ड लाइफ सर्किट के लिये 92 करोड़ 21 लाख की परियोजना स्वीकृत हुई है। बौद्ध सर्किट परियोजना के लिये 74 करोड़ 94 लाख की परियोजना स्वीकृत की गई है। हेरिटेज सर्किट परियोजना के लिये 99 करोड़ 77 लाख की स्वीकृति मिली है। ईको सर्किट परियोजना के लिये 99 करोड़ 62 लाख की स्वीकृति मिली है। 'प्रसाद योजना' में ओंकारेश्वर के विकास के लिए 40 करोड़ 68 लाख की परियोजना स्वीकृत हुई है।

'पर्यटन से रोजगार सृजन' राज्य शासन की प्राथमिकता में शामिल है। भोपाल, जबलपुर, रीवा, ग्वालियर एवं इन्दौर में बेरोजगार युवाओं के लिए विभिन्न श्रेणियों में रोजगार उपलब्ध कराने के लिए इस वर्ष एक नई पहल के रूप में टूरिज्म जॉब-फेयर का आयोजन किया गया। इनके माध्यम से प्रदेश के 15,000 से अधिक युवाओं को सत्कार क्षेत्र की कंपनियों में लेटर ऑफ इंटेट (LOI) प्रदान किया गया है।

पर्यटन से जुड़ाव

मध्यप्रदेश में स्कूली छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों तथा शिक्षकों को पर्यटन से जोड़ने की दिशा में एक नई सोच के साथ 'पर्यटन पर केन्द्रित क्विज' का आयोजन लगातार तीन साल से किया जा रहा है। इस सफल आयोजन के जरिये न केवल विद्यार्थियों बल्कि घर-परिवारों और शिक्षकों तक मध्यप्रदेश पर्यटन ने अपनी पहुँच कायम की है। क्विज की लिखित परीक्षा और रुचिकर मल्टीमीडिया राउण्ड से पर्यटन स्थलों-स्मारकों के प्रति लोगों की रुचि-रुझान में इज़ाफा हुआ है। भोपाल समेत 11 जगहों पर सिटी वॉक फेस्टिवल का आयोजन इसी श्रृंखला की कड़ी है। मध्यप्रदेश में वन, नेशनल पार्क और वॉटर टूरिज्म के अतिरिक्त और भी बहुत कुछ है। छिंदवाड़ा के पातालकोट में जमीन से काफी नीचे एक अलग ही दुनिया बसती है। भारिया आदिवासी बहुल पातालकोट के विकास के लिए भारिया विकास प्राधिकरण कार्यरत है। एडवेंचर के लिए भोपाल, रायसेन के अतिरिक्त पचमढ़ी एक उपयुक्त स्थल है। यहाँ की गुफाओं में तकरीबन 100 से अधिक रॉक पेंटिंग्स हैं। मंदसौर के गाँधीसागर बाँध के नजदीक चतुर्भुज नाला में भी रॉक पेंटिंग्स हैं। हमारे देश में पर्यटन को बढ़ाने के लिए और अधिक गंभीर प्रयास किये जाना जरूरी हैं। एफिल टॉवर को हर साल करोड़ों लोग देखते हैं। ताजमहल को निहारने 50 लाख से अधिक सैलानी आते हैं। अन्य स्थानों पर भी पर्यटकों की आवाजाही बढ़े इस दिशा में ठोस प्रयास की आवश्यकता है। इसमें समाज का जुड़ाव और योगदान नितांत जरूरी है।

चौथा जल-महोत्सव

हनुवंतिया में आगामी 8 दिसम्बर से

भोपाल : प्रदेश के प्रतिष्ठित जल-महोत्सव (चतुर्थ) का शुभारंभ इस साल आगामी 8 दिसम्बर, 2018 से होगा। तकरीबन 31 दिन तक चलने वाले चौथे जल-महोत्सव का समापन आगामी 7 जनवरी 2019 को होगा। इस तरह चौथे जल-महोत्सव में सैलानी वर्षांत दिसम्बर माह और साल 2019 की शुरुआत का लुत्फ उठा सकेंगे। इस बार जल-महोत्सव के दौरान एडवेंचर गतिविधियों पर विशेष रूप से फोकस रहेगा।

चौथे जल-महोत्सव आयोजन की आरंभिक तैयारियों संबंधी बैठक में यह जानकारी दी गई। बैठक में बताया गया कि चौथे जल-महोत्सव में इस साल तकरीबन 104 टेंट लगाए जायेंगे। उल्लास, उमंग और उत्साह से सराबोर जल-महोत्सव में सैलानियों की सहूलियत के लिये वॉटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स हनुवंतिया में विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध करवाई जाएंगी। जल-महोत्सव के दौरान जल, जमीन और आकाश की विभिन्न साहसिक गतिविधियाँ होंगी। जल-महोत्सव में वॉटर स्पोर्ट्स की गतिविधियों के साथ रोमांचक और साहसिक खेलों की गतिविधियाँ भी की जायेंगी। बैठक में जल-महोत्सव के सुव्यवस्थित आयोजन के लिए संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिये गये।

पर्यटन के नये टीवीसी को केन्स फिल्म फेस्टिवल में दो प्रतिष्ठित अवॉर्ड

'मेमोरीज ऑफ डेस्टिनेशन' को रजत और ब्रॉन्ज लॉयन मिला

भोपाल : मध्यप्रदेश पर्यटन द्वारा एड एजेंसी ऑगिल्वी के सहयोग से लगातार आकर्षक और दिल को छू लेने वाले टीवीसी बनाए जा रहे हैं। इसका पहला प्रसिद्ध टीवीसी था 'तिल देखो ताड़ देखो', और 'हिन्दुस्तान का दिल देखो', 'एमपी अजब है', 'सौ तरह के रंग हैं' और 'एमपी में दिल हुआ बच्चे सा' जैसे क्रिएटिव वीडियोज से देश और दुनिया के पर्यटकों का मध्यप्रदेश को लेकर दृष्टिकोण काफी बदल रहा है।

'मेमोरीज ऑफ डेस्टिनेशन'

इस वर्ष मध्यप्रदेश पर्यटन ने 'मेमोरीज ऑफ डेस्टिनेशन' नाम का टी.वी.सी. लॉन्च किया है जिसमें बीते कुछ साल में मध्यप्रदेश आने वाले लाखों सैलानियों/यात्रियों के सैकड़ों चित्रों का संग्रह है। यह चित्र वास्तविक है। इस फिल्म में मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों को एक यात्री की दृष्टि से दिखाया गया है, किसी फिल्म निर्माता की दृष्टि से नहीं। इसके पीछे सोच यह है कि मध्यप्रदेश में पर्यटन स्थलों को उसी रूप में दिखाया जाए जैसे वह हैं, बढ़ा–चढ़ा कर नहीं।

इस टीवीसी को केन्स फिल्म फेस्टिवल–2018 में दो पुरस्कार मिले हैं। इनमें शानदार एडिटिंग के लिए सिल्वर लॉयन और इसके लयात्मक संगीत के लिए ब्रॉन्ज लॉयन अवॉर्ड शामिल हैं। एक ही मंच से दो अवॉर्ड प्राप्त करना मध्यप्रदेश पर्यटन के लिए बड़ी उपलब्धि है। केन्स को विज्ञापन उद्योग का ऑस्कर कहा जाता है। वर्ष 2018 में मध्यप्रदेश को यह दूसरा अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ है। केन्स से पहले मध्यप्रदेश पर्यटन की टॉय फिल्म को अंतर्राष्ट्रीय ग्रेफाइड पेन्सिल पुरस्कार मिला। यह पुरस्कार डी. एंड ए.डी. अवॉर्ड – 2018 में इंग्लैण्ड के शोरेडिच में दिया गया।

इस फिल्म की हर फ्रेम में दर्शक को बिल्कुल इन पर्यटन स्थलों के भ्रमण जैसा अनुभव होता है। चाहे ग्वालियर और माण्डू के शानदार स्मारक हों या सतपुड़ा की रानी पचमढ़ी और बुन्देलखण्ड की शान ओरछा या फिर नेशनल पार्कों में दिखाई देने वाले शेर हों या जबलपुर का धुआंधार जल–प्रपात या इंदौर के सराफा बाजार की चाट और खान–पान के दृश्य, मध्यप्रदेश पर्यटन के इन सभी आकर्षण को बहुत सुरुचिपूर्ण ढंग से इस फिल्म में दिखाया गया है।

'कौन बनेगा करोड़पति'

साँची स्तूप और इंदौर सराफा के खान–पान पर पूछे गये सवाल

टेलीविजन के पॉपुलर शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में मध्यप्रदेश से संबंधित दो प्रश्न कन्टेस्टेंट से पूछे गये। इनमे से एक विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थनल साँची और दूसरा इंदौर के सराफा बाजार में खान–पान संबंधी था। पिछले दिनों प्रसारित के.बी.सी. में सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने भुवनेश्वर के श्री रवीन्द्र कुमार से साँची की प्रतिकृति दिखाकर पूछा कि इसका निर्माण किसने शुरू करवाया था। श्री कुमार ने एक्सपर्ट श्री पंकज पचौरी का अभिमत लेकर इस प्रश्न का सही उत्तर 'सम्राट अशोक' दिया। इसी प्रकार एक अन्य प्रतिभागी से इंदौर के प्रसिद्ध सराफा बाजार में खान–पान 'विशेषकर इंदौरी पोहे' के संबंध में पूछे गये प्रश्न का भी सही जवाब दिया गया।

गौरतलब है कि रिजर्व बैंक, भारत सरकार द्वारा जारी 200 रुपये के नोट की सीरीज़ के पृष्ठ भाग पर साँची का स्तूप दर्शाया गया है। इसी प्रकार पिछले गणतंत्र दिवस समारोह में नई दिल्ली में प्रदर्शित मध्यप्रदेश की झाँकी भी साँची स्तूप पर केन्द्रित थी।

फोटो कोलॉज

न्यूज लेटर के इस अंक और पिछले प्रकाशित अंक के बीच के अंतराल में पर्यटन पर केन्द्रित महत्वपूर्ण आयोजन और ईवेंट हुए हैं। प्रदेश के पर्यटन क्षेत्र में सक्रियता के इन प्रयासों को दर्शाने के लिये दो पृष्ठ के फोटो कोलॉज का संयोजन किया गया है।

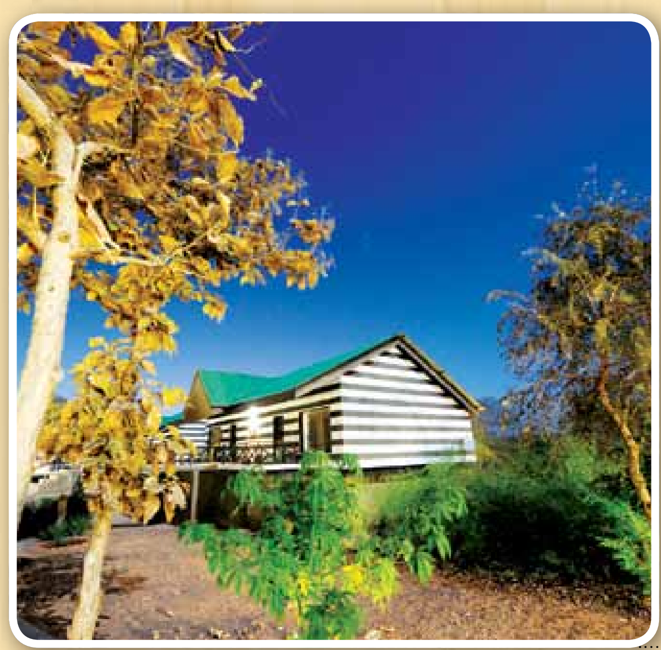

1 ओंकारेश्वर के नजदीक स्थित सैलानी रिसॉर्ट की प्राकृतिक सुंदरता देखते ही बनती है। एक विहंगम दृश्य।

2 इस साल अच्छी बरसात से वॉटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स हनुवंतिया के नजदीक लबालब पानी भर गया है। एक विहंगम दृश्य।

3 मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा गणतंत्र दिवस पर प्रदर्शित झांकी को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इस उपलक्ष्य में ट्रॉफी प्रदान की गई।

4 राष्ट्रीय स्तर पर नई दिल्ली में संपन्न गणतंत्र दिवस समारोह में मध्यप्रदेश की झांकी में प्रसिद्ध साँची स्तूप को दर्शाया गया।

5 मिंटो हॉल के रिनोवेशन और साज-सज्जा का कार्य अंतिम चरण में है।

6 मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने भ्रमण के दौरान सैलानी रिसॉर्ट ओंकारेश्वर का अवलोकन किया।

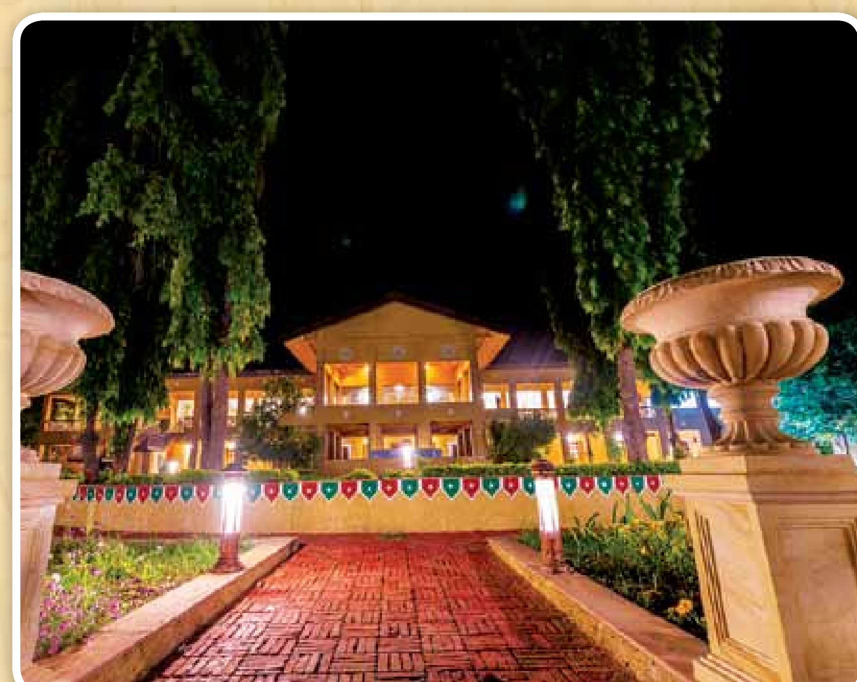

7 मंदसौर जिले में गांधीसागर बाँध के नजदीक विकसित हिंगलॉज रिसॉर्ट।

गठन के उद्देश्यों को साकार करता टूरिज्म बोर्ड

भोपाल : तकरीबन डेढ़ बरस पहले मध्यप्रदेश में गठित टूरिज्म बोर्ड अपने उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में लगातार अग्रसर है। टूरिज्म बोर्ड के गठन का फैसला भी मशहूर पर्यटन स्थल पचमढ़ी में पर्यटन केबिनेट में लिया गया। इसके गठन के पीछे मुख्य उद्देश्य यही है कि प्रदेश में पर्यटन क्षेत्र को और अधिक विस्तार मिले और पर्यटन में निवेश के लिये निवेशकों को सहूलियतें मुहैया कर निवेश को बढ़ावा दिया जाये। पर्यटन के जरिये रोजगार सृजन का ध्येय भी इससे पूरा हो सकेगा।

टूरिज्म बोर्ड के बन जाने से जहाँ एक ओर राज्य पर्यटन निगम अपने मूल काम होटल और हॉस्पिटेलिटी तथा अधो–संरचना विकास पर अब पहले से कहीं ज्यादा ध्यान केन्द्रित कर पा रहा है। वहीं अब मध्यप्रदेश पर्यटन की ब्रांडिंग और व्यापक प्रचार–प्रसार का अहम काम टूरिज्म बोर्ड के जिम्मे है।

बोर्ड के संचालक मंडल के अध्यक्ष मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान और उपाध्यक्ष पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री सुरेन्द्र पटवा एवं मुख्य सचिव हैं। वित्त, वन, नगरीय विकास एवं पर्यावरण तथा संस्कृति विभाग के प्रमुख सचिव संचालक हैं। संचालक मण्डल के पदेन सदस्य सचिव एवं प्रबंध संचालक, प्रमुख सचिव पर्यटन हैं। टूरिज्म प्रमोशन यूनिट, योजना, प्रशिक्षण, ईको टूरिज्म एवं एडवेंचर, रचनात्मक एवं प्रचार–प्रसार गतिविधियाँ, मार्केटिंग, मेला एवं उत्सव, सूचना प्रौद्योगिकी आदि गतिविधियाँ मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड में सम्पादित की जा रही हैं। राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा पूर्ववत होटलों, रेस्टॉरेंट, बोट क्लब, परिवहन बेड़े आदि का संचालन किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के मुख्य कार्यों में ''पर्यटन नीति, 2016'' के अंतर्गत सभी दायित्वों का निर्वहन करना, पर्यटन क्षेत्र में निजी निवेश को आकर्षित करना, इन्वेस्टर्स फेसिलिटेशन, निवेशकों को नीति अनुसार अनुदान एवं सुविधाएँ उपलब्ध कराना तथा निवेशकों को आकर्षित करने के लिए नई नीतियों का आकल्पन, क्रियान्वयन एवं मॉनीटरिंग करना है। साथ ही निजी निवेश से पर्यटन परियोजना की स्थापना को बढ़ावा देने के लिये उपयुक्त स्थल चयन कर लैण्ड बैंक को निरंतर बढ़ाना, प्रदेश में पर्यटन संबंधी समस्त स्थान जैसे, पुरातात्विक स्थलों, वन्य–प्राणी स्थलों, प्राकृतिक सौन्दर्ययुक्त गुफाओं, पार्कों, जल–क्षेत्रों एवं अन्य मनोरंजक स्थानों के विकास की कार्य–योजनाएँ बनाना और उनके अनुरक्षण के उपाय करना है। इसी प्रकार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन के प्रोत्साहन से संबंधित विभिन्न आयोजनों में भाग लेकर निजी निवेशकों को प्रोत्साहित करना, मेले, स्थानीय व्यंजन, संस्कृति, वेश–भूषा, हस्तशिल्प एवं हस्तकला के माध्यम से ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्साहित करना और ईको पर्यटन के लिये आवश्यक व्यवस्थाएँ स्थापित करना आदि बोर्ड के कार्यों में शामिल हैं।

बोर्ड के गठन के अच्छे नतीजे सामने आने लगे हैं। डेढ़ साल के भीतर बोर्ड ने मध्यप्रदेश पर्यटन की ब्रांडिंग और प्रचार–प्रसार के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लंदन में संपन्न 'वर्ल्ड ट्रेवल मार्ट' में अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज की। हाल ही में यूएस के फ्लोरिडा में यूएसटीओ, स्पेन के मेड्रिड में हुए फितर, ऑस्ट्रेलिया के मेलबोर्न में हुए 'ए.आई.एम.ई.–2018' में तथा बर्लिन में संपन्न आई.टी.बी.–2018 में भागीदारी कर निवेशकों के सामने मध्यप्रदेश पर्यटन पर केन्द्रित प्रेजेंटेशन दिया और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी साझा की। 'ए.आई.एम.ई.–2018' में मध्यप्रदेश टूरिज्म को बेस्ट एक्जीबिटर का प्रतिष्ठित अवॉर्ड हासिल हुआ। इसी प्रकार देश के महत्वपूर्ण शहरों में रोड–शो और इंवेस्टर्स मीट में मध्यप्रदेश पर्यटन का प्रतिनिधित्व कर इन उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में प्रभावी भूमिका निभायी गयी।

निवेश संवर्धन

बोर्ड के अंतर्गत कार्यरत निवेश संवर्धन इकाई (IPU) द्वारा एक सुनियोजित रणनीति अपनाकर निवेश संवर्धन के लिए परिणामदायी काम किये गये। इसी के सुफल के रूप में पर्यटन क्षेत्र में तकरीबन 700 करोड़ रुपयों का इन्वेस्टमेंट संभावित है। इसमें मुख्य रूप से 49 जिलों के 144 स्थानों पर 849 हेक्टेयर से ज्यादा शासकीय भूमि हस्तानांतरित कराई जाकर लैण्ड–बैंक बनाया गया है। इसके साथ ही 71 स्थान पर 431 हेक्टेयर से ज्यादा भूमि चिन्हित भी की जा चुकी है, जिसका हस्तानांतरण भी प्रक्रिया में है। लैण्ड बैंक में से पर्यटन क्षेत्र के 19 निजी समूह को भूमि आवंटित भी की जा चुकी है, जिससे 33 करोड़ 77 लाख की राशि का प्रीमियम मिला है। हेरीटेज होटल्स का निर्माण निजी निवेश से करने के लिये हेरीटेज प्रॉपर्टी लैण्ड बैंक बनाया गया है। वर्तमान में 8 परिसंपत्तियाँ विभाग के आधिपत्य में हैं। इनमें से 3 परिसंपत्तियाँ निवेशकों को निविदा के माध्यम से दी गयी हैं। इससे 11 करोड़ 64 लाख रुपए का प्रीमियम भी प्राप्त हुआ है। दस अन्य परिसंपत्तियाँ भी पुरातत्व द्वारा इस बैंक के लिये हाल ही में डी–नोटिफाइड की गई है।

जल–झील महोत्सव

इस समयावधि में जहाँ इस साल वॉटर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स हनुवंतिया में जल–महोत्सव (तृतीय) का 80 दिवसीय सफल आयोजन हुआ। चौथा जल–महोत्सव आगामी 8 दिसम्बर से प्रारंभ होगा। बरगी (जबलपुर) और गांधीसागर बांध (मंदसौर) में व्यापक स्तर पर 'झील महोत्सव' हुआ। इसी श्रृंखला में जिला पर्यटन संवर्धन समितियों की सक्रिय पहल से भोपाल में 'भोज एडवेंचर फेस्ट–2018', रीवा में विन्ध्य महोत्सव, पचमढ़ी उत्सव, निमाड़ उत्सव, मांडू महोत्सव, बालाघाट में बैगा ओलंपिक सफलता से सम्पन्न हुए। गौरतलब है कि जल–पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये प्रदेश में 18 जल क्षेत्रों को चिन्हित किया गया है। इनमें जल–पर्यटन गतिविधियों को लायसेंस देने के लिये बोर्ड को अधिकृत किया गया है।

बढ़ते बाघों ने दोगुने फारेस्ट बीट क्षेत्र में कायम किया राज

भोपाल : मध्यप्रदेश आने वाले सैलानियों के लिए यह एक अच्छी खबर है। अखिल भारतीय बाघ आकलन 2018 के प्रथम चरण के आंकड़ों में बाघों की संख्या बढ़ने के आसार हैं। वर्ष 2014 के प्रथम चरण के आकलन में प्रदेश की 717 फॉरेस्ट बीट में 308 बाघों की उपस्थिति पायी गयी थी। वर्ष 2018 में 5 फरवरी से 26 मार्च तक चार चक्रों में हुए आकलन में 1432 बीट में बाघ की उपस्थिति के प्रमाण मिले हैं।

बाघ अपनी स्वतंत्र टेरिटरी बनाता है। बाघों की संख्या बढ़ने से शावक से नए बाघ में विकसित हुए बाघों ने नए-नए क्षेत्रों का रुख किया। वन विभाग के बाघ बहुसंख्यक इलाकों से संजय गाँधी, पन्ना, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व आदि में बाघों की शिफ्टिंग से भी बाघों की आपसी वर्चस्व लड़ाई टलने के साथ नए जोड़े भी बने हैं।

अखिल भारतीय बाघ आकलन के दौरान फेस-1 में भारत में 21 राज्यों के लगभग 30 हजार बीट में आंकड़े इकट्ठे किये गये हैं। इनमें से 9 हजार बीट अकेले मध्यप्रदेश में हैं। प्रदेश में इसकी तैयारी लगभग एक साल पहले फरवरी 2017 में ही शुरू कर दी गयी थी। प्रदेश को सात जोन में बांटते हुए प्रत्येक जोन में मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया गया।

बाघों को पूर्ण आहार मिले, इसके लिये वन विभाग ने प्रदेश के टाइगर रिजर्व में न केवल बहुतायत वाले क्षेत्रों से शाकाहारी प्राणियों की शिफ्टिंग की है बल्कि टाइगर रिजर्व में खाली हुए गाँवों में वैज्ञानिक प्रबंधन द्वारा घास उत्पादन भी शुरू किया जा रहा है। पौष्टिक आहार और घास मिलने से शाकाहारी प्राणियों की संख्या काफी बढ़ी है और टाइगर रिजर्व में बाघों को भरपूर आहार मिल रहा है। प्रदेश में टाइगर रिजर्व और उनके बाहर के वन क्षेत्रों में भी वन्य-प्राणी की बहुतायत है। वन्य प्राणियों के संरक्षित क्षेत्रों को जोड़ने के लिये कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। वन्य-प्राणियों के प्रबंधन के लिये राज्य शासन ने एक विशेष बजट मद निर्धारित किया है। इससे संरक्षित क्षेत्रों के बाहर वन्य-प्राणी प्रबंधन के लिये राशि उपलब्ध करायी जा रही है।

प्रदेश में वन्य-प्राणी रेस्क्यू स्कवाड की स्थापना की गई है। प्रदेश में कार्यरत 15 रीजनल रेस्क्यू स्कवाड ने पिछले सालों में मानव-वन्य प्राणी टकराव टालने में बड़ी भूमिका अदा की है। कई बार ऐसी विषम परिस्थितियों में स्कवाड ने वन्य-प्राणी और नागरिक दोनों को सुरक्षित निकाल लिया है। टाइगर रिजर्व क्षेत्रों से गाँव की पुनर्स्थापना की गई है। पुनर्स्थापित ग्रामवासियों को 1000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि उपलब्ध करवाई गई है। इससे बाघों की सुरक्षा बढ़ी है और ग्रामवासी विकास की मुख्य धारा से जुड़ सके हैं।

नई पर्यटन नीति से 850 हेक्टेयर का लैण्ड-बैंक

स्थानीय परिवेश और संस्कृति से अवगत कराने 'होम-स्टे' योजना

भोपाल : मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के गठन से प्रदेश में पर्यटन नीति के अंतर्गत 850 हेक्टेयर का लैण्ड-बैंक बनाया गया है। पर्यटन क्षेत्र में इसके जरिये 16 निवेशकों को 60 हेक्टेयर भूमि आवंटित की गई है। इसमें लगभग 18 करोड़ की प्रीमियम राशि प्राप्त हुई है। लगभग 23 इकाईयों को 52 करोड़ रुपयों की केपिटल सब्सिडी मुहैया कराई गई है। वॉटर टूरिज्म के तहत 18 वॉटर बॉडीज़ में 3 हजार स्क्वेयर किलोमीटर क्षेत्र चिन्हांकित किया गया है। प्रदेश में 'होम-स्टे' योजना को प्रोत्साहन देने की नीति पर अमल करते हुए 97 होम-स्टे पंजीकृत किये गये हैं।

यह जानकारी पर्यटन नीति-2016 'सुविधाएँ एवं संभावनाएँ' और होम-स्टे पर आयोजित कार्यशाला में दी गई। कार्यशाला में प्रमुख सचिव पर्यटन एवं पर्यटन बोर्ड के एम.डी. श्री हरि रंजन राव ने कहा कि राज्य शासन द्वारा पर्यटन को नई ऊँचाईयों पर लाने और पर्यटकों को आकर्षित करने की दिशा में लगातार कोशिशें की जा रही हैं। मध्यप्रदेश आने वाले टूरिस्ट अपने अच्छे अनुभव हासिल कर वापस लौटें, यह प्रयास है। पर्यटकों को स्थानीय परिवेश, रहन-सहन, खान-पान और संस्कृति से अवगत करवाकर अलग तरह के अनुभव हासिल करने के उद्देश्य से होम-स्टे योजना शुरू की गई है। इसे अच्छा प्रतिसाद मिला है। नवाचार और बेस्ट प्रेक्टिसेस पर भी समुचित ध्यान दिया जा रहा है।

कार्यशाला में विशेष रूप से उपस्थित केरल होम-स्टे एण्ड टूरिज्म सोसायटी के संचालक श्री एम.पी. शिवनाथन ने बताया कि केरल में 700 होम-स्टे सुचारु रूप से संचालित हैं। इस योजना को स्वयंसेवी संगठनों की भागीदारी से प्रमोट किया गया है। होम-स्टे की आकर्षक जानकारीयुक्त वेबसाइट बनाकर जरूरी प्रशिक्षण की व्यवस्था भी की गई है। उन्होंने केरल में होम-स्टे योजना के अनुभवों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। केरल होम-स्टे एण्ड टूरिज्म सोसायटी जिला इकाई

के अध्यक्ष श्री डी. सोमन ने प्रेजेन्टेशन के जरिये केरल में हाउस बोट और मशहूर पर्यटक स्थलों के साथ ही होम-स्टे योजना की सफलता से अवगत करवाया।

एयर बी.एन.बी. की सुश्री पूजा श्रीवास्तव एवं सूर्या सदाशिवन ने होम-स्टे योजना और गुजरात में सेवा-समिति एनजीओ के साथ मिलकर किये गये कार्यों पर केन्द्रित प्रेजेंटेशन दिया। उन्होंने बताया कि पर्यटकों में अब बड़ी होटलों के स्थान पर स्थानीय परिवेश और संस्कृति पर केन्द्रित अनुभव पर्यटन के लिये होम-स्टे के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की निवेश संवर्धन इकाई के संचालक श्री ए.के. राजोरिया ने प्रारंभ में प्रेजेंटेशन में पर्यटन बोर्ड की उपलब्धियों और होम-स्टे योजना के मध्यप्रदेश में क्रियान्वयन से अवगत करवाया। कार्यशाला में टूरिज्म एण्ड हॉस्पिटेलिटी स्किल काउंसिल की सीईओ सुश्री सोनाली सिन्हा सहित पर्यटन से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी और एनजीओ के प्रतिनिधि मौजूद थे।

होटल उद्योग क्षेत्र में 958 करोड़ का निवेश 14 हजार से अधिक लोगों को मिला रोजगार

भोपाल : मध्यप्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में पिछले 3 साल में होटल उद्योग में 958.33 करोड़ से अधिक का निवेश हुआ है। निवेश के लिये मध्यप्रदेश पर्यटन को 73 से अधिक आ-वेदन प्राप्त हुए थे। वर्ष 2016 से 2018 तक पर्यटन नीति के आधार पर होटल व्यवसायियों को 62.71 करोड़ की सब्सिडी स्वीकृत कर वितरित कर दी है।

पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव श्री हरि रंजन राव ने बताया कि मध्यप्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में होटल व्यवसाय का प्रमुख स्थान है। मध्यप्रदेश की पर्यटन नीति से आकर्षित होकर पूरे विश्व के होटल व्यवसायी प्रदेश में निवेश के लिये आकर्षित हुए हैं। प्रदेश में 4 कन्वेन्शन सेन्टर, 2 रिसोर्ट, 4 डीलक्स होटल, 27 बजट और स्टेण्र्ड होटल और एक रोप-वे शुरू हो चुके हैं। इन होटलों के प्रारंभ होने से पर्यटकों और अतिथियों को प्रदेश में 2975 नये रूम उपलब्ध हो गये हैं।

मध्यप्रदेश की पर्यटन नीति से पूरे देश में प्रदेश की अलग पहचान बनी है। नीति में आवश्यकता अनुसार निरन्तर परिवर्तन भी किये जा रहे हैं। अब प्रदेश के 6 प्रमुख पर्यटन क्षेत्र इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, कान्हा और सतना में 'होम स्टे' की 99 यूनिट तैयार हैं, जिनमें पर्यटकों के लिये 327 रूम उपलब्ध हैं। होम स्टे कॉन्सेप्ट में खाली बंगलों और मल्टी में पर्यटन नीति के अनुसार रूम तैयार कर पर्यटकों को उपलब्ध कराये जाते हैं। पर्यटन विभाग की वेबसाइट पर ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है।

निवेश के 17 प्रस्तावों पर 96.85 हेक्टेयर भूमि उपलब्ध करवा दी गयी है। ऑरेन्ज सिटी, महिन्द्रा हॉलिडे, स्टेट एक्सप्रेस ग्रुप, जहाँनुमा पैलेस, बेकस्पेल ग्रुप प्रदेश में पर्यटन के क्षेत्र में मुख्य निवेशक हैं। इससे पर्यटन विभाग को 30.77 करोड़ का प्रीमियम रेवेन्यू भी प्राप्त हुआ है। इनमें से 3 यूनिट प्रारंभ हो गयी हैं, जिनमें 18 करोड़ का निवेश हुआ है।

भोपाल का ताजमहल बनेगा हेरीटेज होटल

भोपाल : मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा भोपाल स्थित ताजमहल को हेरीटेज होटल बनाने के लिये लीज पर दिया गया है। जल्द ही भोपाल का ताजमहल हेरीटेज होटल बनकर लोगों का स्वागत करेगा। भोपाल स्थित बेनजीर महल, ग्वालियर स्थित मोती महल और पन्ना के महेन्द्र भवन का आधिपत्य पर्यटन विभाग को प्राप्त हो चुका है। इन्हें भी हेरीटेज होटल बनाया जायेगा।

रीवा में गोविन्दगढ़ किले में रिनोवेशन का काम शुरू हो गया है। वर्ष 2019 के अंत तक यह हेरीटेज होटल बनकर तैयार हो जायेगा। भोपाल के बेनजीर महल के लिये निविदा जारी की जा रही है। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग 6 हेरीटेज सम्पत्तियों को होटल और कन्वेशन सेंटर के रूप में बनाये जाने के लिये कार्य कर रहा है, जिसमें राजगढ़ पैलेस खजुराहो, गोविन्दगढ़ किला, रीवा और भोपाल के ताजमहल को निविदा जारी कर संबंधित एजेंसी को लीज पर उपलब्ध कराया जा चुका है।

माधवगढ़ किला सतना, राजगढ़ पैलेस दतिया, बेनजीर महल भोपाल के लिये जल्द ही निविदा जारी की जायेगी। महेन्द्रगढ़, पन्ना और मोती महल, ग्वालियर को हेरीटेज होटल में बदलने के लिये जल्द ही निविदा जारी होगी। पर्यटन विभाग के पास क्योटी किला रीवा, रॉयल होटल जबलपुर, विजयराघवगढ़ किला कटनी, श्योपुर किला श्योपुर, नरवर किला शिव-पुरी, लुनेरा का सरायी मांडू, सबलगढ़ किला मुरैना और बल्देवगढ़ किला

टीकमगढ़ हेरिटेज सम्पत्ति बैंक के रूप में उपलब्ध है। इनको भी हेरीटेज होटल के रूप में तब्दील करने की कार्यवाही की जा रही है। मध्यप्रदेश में विगत दस वर्षो में पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हुई है। पचमढ़ी में पर्यटन के सभी होटल हर मौसम में 90 प्रतिशत तक बुक रहे हैं।

Adopt a Heritage
9 एजेंसी को आशय पत्र

नई दिल्ली : संस्कृति मंत्रालय एवं भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) एवं राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के सहयोग से पर्यटन मंत्रालय ने नई दिल्ली में विरासत को अपनाने की परियोजना का समारोह आयोजित किया। परियोजना के चौथे चरण के अंतर्गत चयनित एजेंसियों को आशय पत्र प्रदान किए गए। केंद्रीय पर्यटन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री के.जे. अल्फोन्स ने 22 स्मारकों के लिए 9 एजेंसियों को आशय पत्र प्रदान किया।

विरासत को अपनाने की परियोजना– अपनी धरोहर अपनी पहचान, सितंबर, 2017 में लांच की गई थी। इसका लक्ष्य समृद्ध संस्कृति और प्राकृतिक विरासत को संरक्षित रखना तथा पूरे देश में पर्यटन को बढ़ावा देना है।

परियोजना की वेबसाइट के अनुसार अब तक 195 पंजीकरण हुए हैं जो उत्साहवर्धक हैं। 95 स्मारकों में पर्यटक अनुकूल सुविधाओं के विकास के लिए ओवरसाइट एंड विजन समिति ने 31 संभावित स्मारक मित्रों का चयन किया है। प्रमुख विरासत स्थलों में लाल किला, कुतुबमीनार, हम्पी, सूर्य मंदिर, अजंता गुफाएँ, चार मीनार, कांजीरंगा नेशनल पार्क आदि शामिल हैं।

ईको टूरिज्म बोर्ड विकसित करेगा 61 पर्यटन क्षेत्र

भोपाल : ईको पर्यटन विकास बोर्ड अगले वर्ष 27 करोड़ 45 लाख की लागत से प्रदेश में 61 मनोरंजन एवं वन्य प्राणी अनुभव क्षेत्र का विकास करेगा। इसके अलावा डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से पन्ना, पेंच, कान्हा, बाँधवगढ़, सतपुड़ा, और संजय टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्र में ईको पर्यटन विकास होगा। इनमें एक करोड़ 70 लाख के कार्य जारी हैं। इससे पर्यटन प्रेमियों को नये सुविधा सम्पन्न मनोरंजन क्षेत्र मिलेंगे। यह जानकारी हाल ही में यहाँ वन, योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री डॉ. गौरीशंकर शेजवार की अध्यक्षता में हुई ईको पर्यटन विकास बोर्ड की साधारण सभा की बैठक में दी गई।

अपर मुख्य सचिव वन, श्री दीपक खाण्डेकर, प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ. अनिमेष शुक्ला, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) श्री जितेन्द्र अग्रवाल, वन विकास निगम के प्रबंध संचालक श्री रवि श्रीवास्तव, मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री पुष्कर सिंह भी मौजूद थे।

बोर्ड द्वारा 22 मई 2017 से ऑनलाइन बुकिंग पोर्टल शुरू किया गया है। इससे जुलाई 2017 से फरवरी 2018 तक 65 हजार 347 पर्यटकों ने टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्र में बुकिंग कराकर ईको पर्यटन का आनंद लिया। पार्कों को इससे एक करोड़ रुपये से अधिक की राजस्व की प्राप्ति हो चुकी है। पर्यटकों में 59 हजार 255 देशी और 6092 विदेशी पर्यटक शामिल हैं। ये बफर क्षेत्र है सतपुड़ा में सेहरा एवं पाटई, बाँधवगढ़ में पनपथा, धमोखर एवं मानपुर, पेंच में रूखड़ अरी खवासा, कुंभपानी, कान्हा में सिझौरा, खापा एवं खटिया, पन्ना में रनेहफॉल, हरसा, हिनौता और संजय टाइगर रिजर्व में डुबरी।

गोहद किले को "यूनेस्को एशिया पेसिफिक हेरीटेज अवॉर्ड"

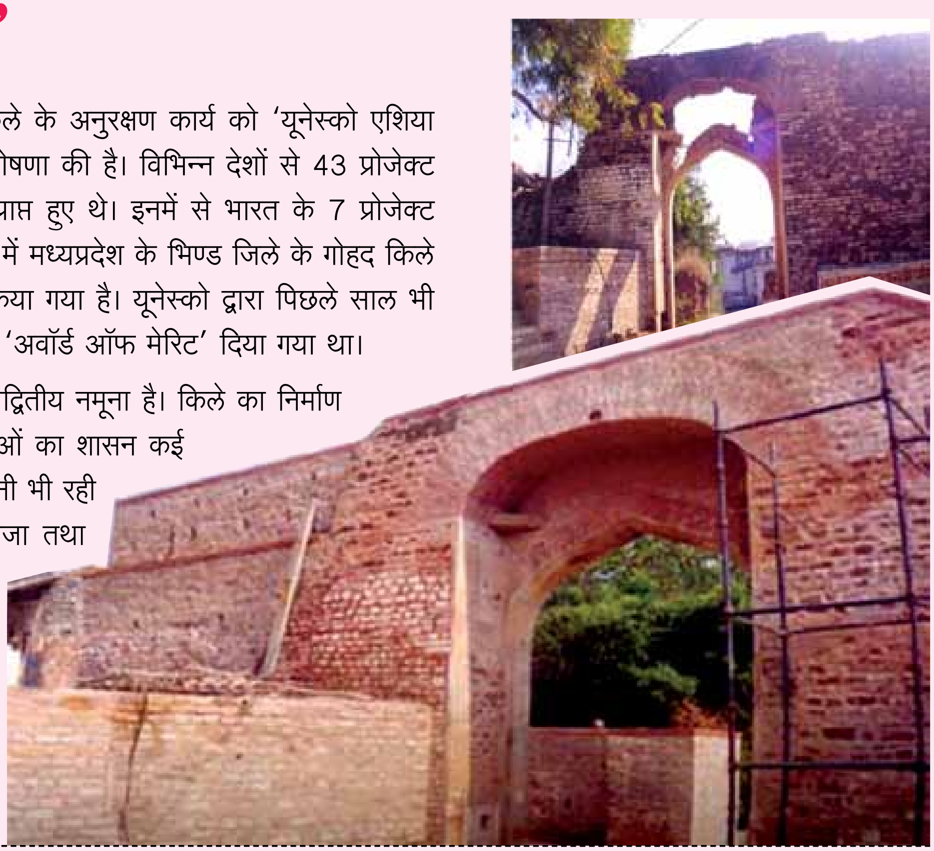

भोपाल : यूनेस्को ने भिण्ड जिले के गोहद किले के अनुरक्षण कार्य को 'यूनेस्को एशिया पेसिफिक हेरिटेज अवॉर्ड– 2017' देने की घोषणा की है। विभिन्न देशों से 43 प्रोजेक्ट अंतर्राष्ट्रीय संरक्षण विशेषज्ञों की समिति को प्राप्त हुए थे। इनमें से भारत के 7 प्रोजेक्ट अवॉर्ड के लिए चयनित किये गये। इन प्रोजेक्ट में मध्यप्रदेश के भिण्ड जिले के गोहद किले के अनुरक्षण कार्य का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है। यूनेस्को द्वारा पिछले साल भी उज्जैन के महिदपुर किले के अनुरक्षण कार्य को 'अवॉर्ड ऑफ मेरिट' दिया गया था।

गोहद किले की बनावट दुर्ग निर्माण कला का अद्वितीय नमूना है। किले का निर्माण 16वीं शताब्दी में हुआ था। इस पर जाट राजाओं का शासन कई वर्षों तक चला और यह उनके राज्य की राजधानी भी रही थी। किले के दरवाजे हाथी पौर, सांकल दरवाजा तथा हमार के दरवाजे का अनुरक्षण कार्य अत्यन्त जटिल था। इस कार्य में विशेष सावधानी के साथ सतत् मॉनीटरिंग की गई। भिण्ड जिले के 24 संरक्षित स्मारक में से केवल गोहद में इस किले सहित 10 संरक्षित स्मारक घोषित हैं। यह सभी 8वीं सदी से लेकर 18वीं सदी के हैं।

मिंटो हॉल : अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर के रूप में

भोपाल : ऐतिहासिक मिंटो हॉल (पुराना विधान सभा भवन) अब नये स्वरूप में नई साज–सज्जा, सर्वसुविधायुक्त और बेहतर इंतजाम के साथ तैयार है। अनेक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रमों का साक्षी रहा यह भवन और परिसर अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कन्वेंशन सेंटर के रूप में विकसित हुआ है। लेकिन इस ऐतिहासिक इमारत के मूल स्वरूप को बरकरार रखते हुए इसके पुनरूद्धार और विकास कार्य किये गये हैं।

उल्लेखनीय है कि भोपाल की खास पहचान मिंटो हॉल (पुराना विधान सभा भवन) को तकरीबन 64 करोड़ रुपये की लागत से अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कन्वेंशन सेंटर के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह कार्य लगभग पूर्णता की ओर अग्रसर है। इसके लिऐ सबसे पहले भवन के मूल स्वरूप को बरकरार रखते हुए इसके संरक्षण एवं संवर्धन का काम किया गया है। कन्वेंशन सेंटर की बैठक क्षमता लगभग 1100 व्यक्तियों की है। इसमें वातानुकूलित लिफ्ट तथा आंतरिक और बाहय विद्युतीकरण का काम पूर्णता की ओर है।

मिंटो हॉल भवन की दीवारों पर मूल पेंटिंग्स को यथावत रखते हुए जरदोजी पेंटिंग्स, सभा कक्ष, हॉल का इंटीरियर कार्य वास्तुकला के आधार पर किया गया है। परिसर में लगभग 5 एकड़ क्षेत्र में लेण्ड स्केपिंग का काम पूरा किया जा चुका है। मुख्य हॉल के अंतिरिक्त ऑडिटोरियरम, कमेटी कक्ष, मीडिया कक्ष भी बनाया गया है। कन्वेंशन सेटर में अत्याधुनिक ऑडियो–वीडियो सिस्टम, फायर फाइटिंग और आधुनिक एयर कंडीशनर लगाए गए हैं।

हमारा पता
मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड
लिली ट्रेड विंग, छठा तल
जहाँगीराबाद, भोपाल,(म.प्र.)
फोन नं. 2780600